Literacy for a Billion

Movie: Love Marriage
Year: 1959

Song: Dhire Dhire Chal
Lyricist: Hasrat Jaipuri

धीरे धीरे चल
चाँद गगन में
धीरे धीरे चल
चाँद गगन में

धीरे धीरे चल
चाँद गगन में
अरे धीरे धीरे चल
चाँद गगन में

कहीं ढल न जाए रात
टूट न जाएँ सपने
अरे धीरे धीरे चल
चाँद गगन में

कहीं ढल न जाए रात
टूट न जाएँ सपने
अरे धीरे धीरे चल
चाँद गगन में

तू झूमके चले
तो दिल पे चले कटारी
हो है मीठी छुरी
ये ज़ालिम नज़र तुम्हारी

तू झूमके चले
तो दिल पे चले कटारी
हो है मीठी छुरी
ये ज़ालिम नज़र तुम्हारी

गुनगुन गूँजे राज़
आज पवन में
अरे धीरे धीरे चल
चाँद गगन में

कहीं ढल न जाए रात
टूट न जाएँ सपने
अरे धीरे धीरे चल
चाँद गगन में

वो क्या चीज़ थी
मिलाके नज़र पिला दी
हो ... हुआ वो असर
कि हमने नज़र झुका दी

वो क्या चीज़ थी
मिलाके नज़र पिला दी
ओ ... हुआ वो असर
कि हमने नज़र झुका दी

अरे होंगी दो दो बात
आज मिलन में

धीरे धीरे चल
चाँद गगन में

कहीं ढल न जाए रात
टूट न जाएँ सपने
अरे धीरे धीरे चल

चाँद गगन में

दो दिल मिल गए
दीये जल गए हज़ारों
हो अजी तुम मिल गए तो
गुल खिल गए हज़ारों

दो दिल मिल गए
दीये जल गए हज़ारों
हो अजी तुम मिल गए तो
गुल खिल गए हज़ारों

रिमझिम बरसे प्यार
आज चमन में
अरे धीरे धीरे चल
चाँद गगन में

कहीं ढल न जाए रात
टूट न जाएँ सपने
अरे धीरे धीरे चल
चाँद गगन में
धीरे धीरे चल

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.